

जामामया ३३ तानमा जामय धर्कै व फानजा स दयकन ॥
३॥ ॐ ह उ वा न ॥ न न य र न नामे न तानता नो य सि द्ध ४ यो न ज
धि ४ तं य धा यो ॥ अ न क ज न्मा रि त या य सं व यं ह न त्व र न र्थ
नृ ति मा य क व र्ण ॥ ॥ श्री ना ना य न या न म हा दा न म नृ न्मा तृ
य धर्कै धरु रि य धा वी स क या ज त ल ध क य न ज न क ज न
स या दा ज त या य स म स न स रू यी ज श्री ना ना य न या

उत्तम प्रसूति

ASHA ARCHIVES

584

I

मय न श्री ना ता य न या क हा ज र कि न स वा या य मा र म न
य य ना स न ध के ॐ न आ सु द य क र ॥ ५ ॥ इ धि या त उ वा
व ॥ म य आ म धि री को ष य वा मी श्री व सा के । को पु रा ता सि रा
गै पु आ सा नी य व नी का य ता के वि षु वी द स वी सा के क ना र्थ ॥
॥ ॥ ध था य म श्री ना ता य न जी न न म स्का र य था द क श्री ना
ता य न वा र सा म य आ र्थ न श्री न या व वृ ज स या ता म न र

ज ति रु द न स श्री व रु वी रु द या ज वा द रु न्द क मु र म ना न
न ती या अ ति सा य य मा न रु या ज वा द वि ता उ मा न रु य
ज वा द पु य आ र्थ सा रु या ज वा द रु न्द य स सा न या रु स
था द मि र वा या वा न रु या ज वा द ध था द क श्री ना ता य न ध के
इ धि या त ल आ सु द य क र ॥ ५ ॥ श्री लो म स न उ वा य ॥ उ लो य
म य स ना च ना ध ना वि या न का आ रि व र वि न म हि ना स म रु द

ताज न व ग ह नू या ना स म स यं शु र ग वा न यु सा दी उ ॥ ॥ ॥
न ग सि मा य वी ग द या ज सा ड य था वा न स म स रू क वि हा ज सा ड
व स स थ वि र्च र या श्री ना ना य न न व ना ह नू या रू या ज थ ग
त्रि य था वा थ ज थ स वा न ता या ज य था वा न क्रा या सी ५
वि क्रा क थ भिं य र ग वा न न जि था स क या यु न न रू या ज
वि क्रा य मा रू व के श्री ली म स न न श्री सु द य के र ॥ ५ ॥ ॥ ॥

न उ वा वा ॥ ॥ वि क्रा म य क न म न म य ते वि उं पु उं क न न न
रो य वि नां ॥ ॥ ॥ सा क्रा त वि हा व सा वि नां द रि पु व न्ना मि
ग ति म हा ल नी ॥ ॥ ॥ थ था ड क्रा द ना जी न ला य द य मा ल व
कै न था ड क्रा द ना धा र सा वि न ल य म जी ज स न्नी म उ रा
थ थ के य मा नै म उ म नू य आ द न जी व या ना या य उ रू
रू या ज वि क्रा क वि ल व न र कि ज न य ना स न स य स

उत्ति सा के स विस्तार इया रा वि आ के थ था द म्म द नो ध्व तं
अ इ ने न आ सु द य क र ॥ १ ॥ व न क र उ वा द ॥ उ दि गं द
न ध क क र्म यो म्म न व द्वा वा ॥ उ दि च क र वि न द न उ न्म
म र्म क को ठा कि मि ग त म री ला स ग ता त्यां त नो आ व र
व र म म द्द दि र्म क म व र कि न का ॥ ॥ क र्म उ रि रि वि
त न नो त का ज का द या नि मि लि न य र र्म न न क र्म

दा न म री द ध य स म ज द्द व र र्म क र त म्म उ स ज म
का य ग त द्वा य र्म क र कि म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म
य य आ स न यो नो य न य य क र्म क र कि र्म यो
य न द य म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म
य ॥ त म्म उ र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म
र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म र्म

रुस्यं विष्णु कर्म या तय म न न म म्म न या त य म न
 या न रु र मां जी न न म म्म न ध रै सद द व न आ सु द य क न
 ॥५॥ वी कि नू वा न ॥ स्व क र्म रु स ना द द्वा जा जा जा नी व जा म्म
 द ॥ त म्म त म्म द्वा क म व या ल का दि ता मु र्म ॥ ॥ द्द द्वा
 क म व थ य क र्म रु न न स्व रु सि था न स उ न्म उ या त उ
 रु सि २ था न स उ का सो न द्द रु या न या क रु कि का रु य म

न धर्मे किं न श्रद्धा यथा क विन रिया क ॥ १० ॥ मादो न वा च ॥
 वधूत गा वधू म न र नी गयो व वधू य न र कि त वा ग ले न
 द दाय वि ज कि द धू द वि उ थ म कु ड ते इ ता स नी ॥ ॥ ग
 म म न व श्रद्धा यथा क जी न इ या गो ग थ म कु य द र या
 य अ नो म व दो उ या थ धर्मे मादो न ज सु द य क र ॥ ११ ॥
 दो य श्रद्धा च ॥ कि न व र्य द्वा व म र ग य न नी य व र क

विमलमन्त्राय विजय तया। सुता सुमर्षे वरु कनकवचय
मता। वरु वरु किं तय ता वरु वरु वरु वरु ॥ ॥ देव कनक
समस्त वनज तु ता वरु विमलमन्त्राय धरुनी आदिया
कजम इत ता न गनी वरु विमलमन्त्राय धरुनी आदिया
या वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
मवि वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु

या वरु ॥ ११ ॥ वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम
॥ ॥ वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
या वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
विय वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम मम

यन. वी. त्रि. ज. नमः का. य. म. मा. र. ध. वै. श. रु. डा. न. श्री. द. पू. या. थ.
स. आ. सु. द. य. कं. ॥ १३ ॥ अ. रा. म. न्यु. न. वा. वा. ॥ र. ग. वि. न्द. र. द. न. म.
ग. त. र. ग. वि. न्द. र. म. क. न्द. स. वी. र. ग. वि. न्द. र. न. थो. ग. या. न. र. ग.
वि. न्द. र. न. मा. मि. नि. ल्यं. ॥ ॥ ह. र. ग. वि. न्द. उ. ह. म. ता. न. द. र. ग. वि. न्द.
द. ह. म. क. न्द. ह. श्री. द. पू. ह. र. ग. वि. न्द. ह. न. थो. ग. या. न. ह. र. ग.
वि. न्द. क्रि. थं. र. च. स. या. स. न. म. सा. र. ध. वै. अ. रा. म. न्यु. न. वि. न्द.

या क वि ति या क ॥ १५ ॥ क त नो सु उ वा च ॥ आ त म नो ग य
 न वा सु द व. ए ग वि न्द वे क न म क न्द क यं । आ क ग वी न न न
 सिं ह वि श्र मा रा दि सं सा त उ जं ग इ यो त ॥ ॥ ह आ त म
 ह नो ग य न द वा सु द व. ए ग वि न्द वे क न म क न्द क य
 द क न व. द म न न क न्द सिं ह ह वि वृ ति ग क्रा या य मा
 स. व कं आ व य या क. क त नो सु न वि न ति या क ॥ १६ ॥ सा

ल्यकी न वाच॥ अयमयद्वनविष्णुः सुखदा मादत्रायता। एषा वि
 द्वा न क स श्रीसो सुदवनेमा मुर्गे॥ ॥ ह अयमा यदहृजी ह
 विष्णुः दा मादत्र ह अयत ह एषा विद्वा न क ह वी सु द
 व झुलया त न म स्का त व के सा ल्य की न वि न रि या का॥ १५
 ॥ र ह उ वा च॥ वा सु द व ये गं ल्य ऊ जा श्र द व म्प्रा ज त
 ह सी ता ऋ ऊ दु वा ती त क र्ये ख न ति उ म्प ति॥ ॥ एषा

म. य. न. श्री. न. त्रा. य. न. ता. द. ता. उ. म. व. द. व. या. क. रु. ज. ना. या. या.
ज. थ. म. म. न. य. द. थ. अ. र. सा. गं. अ. ती. न. स. वा. दा. या. या.
स. वा. य. का. रा. या. द. क. म. न. य. न. गी. अ. ती. न. स. रु. थ. म. या.
ज. र. र. ता. न. अ. रा. म. या. ग. थ. द. व. दि. अ. थि. न. त. म. न. य.
ज. उ. थ. द. व. के. उ. द. व. न. न. वि. न. ति. या. क. श्री. क. सु. या. थ.
॥ १० ॥ ॥ श्री. म. उ. वा. वा. ॥ अ. यां. न. मा. य. न. य. ना. ग. न. रु. द.

हृदि वा च त्राणी यन्नि ग र्वा गा त्रा उ दि सि किं चित् सु क रै र्द नै म
यो ज ना र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न ॥ ॥ र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न
र न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न
र र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न ॥ ॥
मा र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न
जा ता वि स र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न

का र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न
य र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न
रा म र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न
धा र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न
या र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न
य र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न र्द न

। नो नो य न दा स दा स दा स दा स दा स । अ न्या न्या मा र्मा ज
ग तो न त्रा नां त ॥ अदि दी र्घं न्य ते त्रा स्मि सा क ॥ ॥ जि नि श्र य न
वि ष्णु या दा स थ क दा स या नै दा स थं सै स त स म न य य नी
स थि थिं त ज म द र्गा र यं वा नी ज थ त न य क वि ष्णु र कि रू
त ज म धै न्य ध र्क अ क र न आ स द य क ज ॥ २० ॥ वि द न उ
वा च ॥ वा स द व ह्य र र का म सा र्क ग त मा न सा त ह्य दा स ह्य

दा ॥ अ हं ए ज ज न नि ज न नी ॥ ॥ य म न न वि वृ र
 रु या ज अ न म रि रु या ज ॥ ॥ अ न या क म न त या रा वा
 ना ज थ म न य य नी स च न या नै य या नं च स ज न म
 सी जि रु य द य मा न व के वि रु न व क्ष न ॥ २१ ॥ ती म
 वा य ॥ वि य नी त वृ का न य य नी या ए व र्व म वृ य वा
 हि मां वृ य या वृ य न न न न व स न ॥ ॥ ह प्रो वृ

三

[illegible]

या का ध व न ज उ ल्य ध र्क दो म वा य न वा सु द य क र ॥ ३३ ॥
 रू य उ वा च ॥ य ज म नि स ल सि दी म धू के ट र प्र म त्या र्थ नै क द न य रू च
 प व स ॥ १ ॥ १ रु ल य त्री वा प्र क र य रु य ॥ ० ति मी म प्र सा क नार्थ
 ॥ ॥ म धू के ट र या म फ रू या ज रा ठ म कि थ रु जि ज न म नि स ल
 थ र न ज न रु स या स या क रु ता रु न रु या य म वि द्या य म ल रु
 ध र सा रु स या ल या दा स या न दा स थ म दा स या न दा स रु य रु सि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
१५॥ ॐ सा सा मा वा वा ॥ ह्यविन्द क ज व ज ना द न वा स द व वि ल ज वि य
म ध स द न वि य ज या या य म ना ल पु त्र सा ल ॥ ॐ म य म न य
ना ना य ना य ना न सि ह न मा न म म ॥ ॥ ह्यविन्द क ज व ज ना
ना द न वा स द व द वि ल ज म ध स द न द वि य ज य द य
य ना ल ह्य पु त्र सा ल म द य म न य द ना ना य न द न य ना ल न सि द

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
का वा ध के ज व सा न मु ति या के ॥ १५॥ ॐ ह्य वि ल ज ना न
व द मि न ज ल मि न वि न या मा ना न म ना मि न ह्य ज मि
न वा य या मा ॥ ॐ क र द य स न व द य मा द न ॥ ॐ श्री गणि वा
म य पु त्र सा ल द दि दा सी ॥ ॥ ह्य ह्य श्री श्री वा स द पु त्र सा ल म
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

॥ १ ॥ ख का उ वा ञ । ऊ मा न वा वि ग त ना य ना य ज हं ना ना य नी स न
उ र्नी म ता त स्म रे नि । ध्व न न त द न त का शि ष द व ना सु ना डे य
या घ न न सं न यू न वि व न्ना ॥ ॥ य झ म न ष्य न दे ता ग रि या जा य
या म य या म द य का णा द व या उ न रु या णा वि झ क झ श्री नी ना
य न नि ल्यं २ स्म रे भा या ठा णा चा नी णा थ थी द झ म न ष्य य
न या ठा नी या य ना म रु या णा यू न की त थ सं सा न स ज न रु

तम उवाच ॥ रगः । काटिदानैयदु न वृका जीमाद्यया रगः ॥ रगः ॥
 स वागी । सुमन्तु तदु ली दान रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥
 ॥ ॥ सा दा काटिदानया दा यै न्य का जीमाद्यया रगः ॥ रगः ॥
 न्य युयोरगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥
 तः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥
 कः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥ रगः ॥

॥५॥ अथोक्तं ॥ एतद्विन्दति सदा साने एतद्विन्दति सदा
 यो एतद्विन्दति सदा साने एतद्विन्दति वकारेने ॥ ॥ एतद्विन्दति
 यवससं एतद्विन्दति नामकाय जयययवससं एतद्विन्दति नाम
 मकाय सानयायवससं एतद्विन्दति नामकाय नामकाय एतद्विन्दति ॥५॥
 विन्दति यवससं अथोक्तं ॥ एतद्विन्दति सदा साने एतद्विन्दति सदा
 व॥ कथंति मे गन्तं नाम जययवससं एतद्विन्दति सदा साने एतद्विन्दति सदा